In the News

Publication: **Vyapar** | Region : **Mumbai** | Date: **02/09/2017** | Page No.: **04**

जमा राशि की ब्याज दरों में गिरावट : प्रतिफल की गारंटी देने वाले इंश्योरेंस उत्पाद खरीदने का समय

पिछले 3-4 वर्षों में ब्याज दरों में हो रही वैश्विक गिरावट से, आपके द्वारा बैंक में जमा एफ. डी. खाते की राशि बड़े खतरे में पड़ सकती है। दीर्घकालीन निवेश के लिए, अल्पकालीन अस्थिरता चिंता की बात नहीं होती। असली खतरा तो बच्चों की पढ़ाई, शादी या सेवानिवृत्ति जैसे लक्ष्यों के लिए आवश्यक राशि जुटाने की होती है। ऐसे अस्थिर समय में, जीवन बीमा के ऐसे उत्पाद

- आशीष वोहरा

ईडी तथा सीईओ, रिलायन्स निप्पो लाइफ़ इंश्योरेंस

सर्वोत्तम उपाय होते हैं जो प्रतिफल की गारंटी देते हैं। ऐसे उत्पादों में जीवन रक्षा का तत्व यह सुनिश्चित करता है कि आपकी मृत्यु होने पर भी, आपके प्रियजनों को वादे की राशि जरूर मिलेगी।

आप कठिन मेहनत करते हैं और जहाँ संभव हो, वहाँ खर्च न करते हुए बैंक जमाओं में अपनी बचत करते हैं। बच्चों की शिक्षा, शादी या खुद की सेवानिवृत्ति के होते हुए भी आपके परिवार की वर्तमान ज़िम्मेदारियों को पूरा करने के लिए बहुत सी धनराशि की ज़रूरत होती है और साल दर साल महंगाई तो बढ़ती ही जाती है।

बहरहाल, बैंक की जमा राशियों में दिए जाने वाले ब्याज की दर में गिरावट से आपकी वित्तीय योजना बहुत प्रभावित होती है। इसलिए, एक निश्चित अवधि के बाद अपेक्षित प्रतिफल की राशि के बारे में स्पष्टता का होना बहुत ज़रूरी है, लेकिन बैंक के एफ. डी. के मामले में फिलहाल तो कोई स्पष्टता नहीं है।

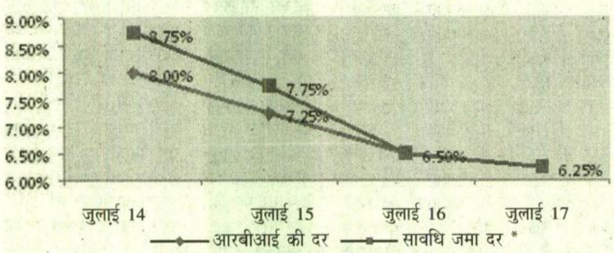

नीचे दिए गए चार्ट में ब्याज दर की अवधि में सावधि जमा राशि पर मिलने वाले प्रतिफल का पथ समान गति से काटता हुआ दिखाया गया है-

* भारतीय स्टेट बैंक द्वारा उनकी वेबसाइट पर दिखाई गई 5-10 वर्षों की अवधि के लिए सावधि जमा दरें

असुरक्षित बचत

आरबीआई द्वारा हाल ही में घोषित अतिरिक्त 0.25% की कटौती से प्रतिवर्ती रेपो दर 6.00% के सात वर्षों के निचले स्तर पर आ गई है और बैंक में जमा राशि से आपको पर्याप्त प्रतिफल नहीं मिल पाएगा। अर्थशास्त्रीयों और विश्लेषक अधिक कटौती तथा अधिक घटे प्रतिफलों की संभावना व्यक्त कर रहे हैं।

पिछले 3 वर्षों में ब्याज दर 8.75% से घटकर 6% होने से रु. 10 लाख पर अर्जित वार्षिक ब्याज का अंतर मात्र एक वर्ष में लगभग रु. 30,000 होगा। 20 से 25 वर्षों में, ब्याज दर में गिरावट से आपकी वित्तीय बचत योजना बहुत अधिक प्रभावित होगी क्योंकि बैंक के एफ.डी. की ब्याज दर इतनी लंबी अवधि के लिए नियत नहीं भी नहीं होगी।

उदाहरण के लिए, आप 20 वर्षों में रु. 70 लाख के जादुई आंकड़े को प्राप्त करने की योजना बना रहे हैं तो आपको 6% की ब्याज दर पर हर महीने रु. 15,000 की बचत करनी होगी। बहरहाल, यदि ब्याज दर 4% हो तो आप रु. 55 लाख ही बचा पाएँगे। रु. 15 लाख की कमी से आपके बच्चों की उच्च शिक्षा जैसे एमबीए की योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं जब तक कि आप हर महीने रु. 19,000 से अधिक की मासिक बचत करें, जो आपकी मौजूदा जिम्मेदारियों के लिए बड़ी चुनौती होगी।

ब्याज की घटती दर से ऐसे ग्राहकों को बहुत अधिक जोखिम झेलना होगा जो अधिक जोखिम नहीं ले सकते हैं, स्टॉक मार्केट के उतार-चढ़ाव को समझ नहीं पाते हैं, विशेषकर छोटे शहरों में। वे आम तौर पर एफ.डी. जैसे नियत प्रतिफल वाले निवेश का विकल्प लेते हैं।

गारंटीयुक्त प्रतिफल

इसलिए, यह समय ग्राहकों के लिए निवेश के ऐसे विकल्पों को समझने और उनका आंकलन करने के लिए बेहतर है जिसमें बाज़ार की परिस्थितियों और ब्याज दरों में होने वाले परिवर्तन से संबंध न रखते हुए, गारंटीयुक्त प्रतिफल देते हैं।

ऐसी स्थिति में एक सर्वाधिक आकर्षक प्रस्ताव 'जीवन बीमा' है विशेषकर ऐसे प्रस्ताव जिनमें जीवन रक्षा के साथ गारंटीयुक्त प्रतिफल दिए जाते हैं। एफ.डी. की तुलना में, अच्छे गारंटीयुक्त प्रतिफल वाले जीवन बीमा उत्पाद कर-समायोजन आधार पर बेहतर प्रतिफल दे सकते हैं।

ऐसी जीवन बीमा पालिसियाँ नियत प्रतिफल देती हैं और भुगतान की गारंटी भी देती हैं यदि बीमा रक्षित व्यक्ति की असामयिक मृत्यु हो जाती है। इस तरह, आपके परिवार की वित्तीय रक्षा प्रदान करने के लिए इससे बेहतर विकल्प नहीं हो सकता है।

कर समायोजन के साथ एफ.डी. के प्रतिफल और गारंटीयुक्त प्रतिफल वाले जीवन बीमा उत्पादों की तुलना नीचे की गई है -

कर के लिए समायोजित सावधि जमा के प्रतिफल

जीवन बीमा गारंटीयुक्त प्रतिफल - आईआरआर

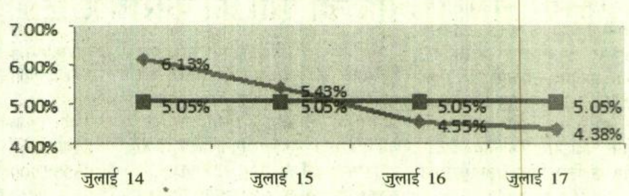

एक गारंटीयुक्त धन वापसी वाला बीमा उत्पाद आपको प्रारंभिक कर अनुलाभ, नियत और कर-मुक्त प्रतिफल और जीवन सुरक्षा देता है। तुलना करने पर, ज्यादातर बैंकों के एफ.डी. कर अनुलाभ प्रदान नहीं करते हैं और असामयिक मृत्यु होने पर जोखिम रक्षा भी नहीं देते हैं।

जब जीवन बीमा रक्षित व्यक्ति की मृत्यु पालिसी की अवधि के दौरान यानी परिपक्वता की तारीख से पहले हो जाती है तो पालिसी के तहत देय राशि नामिति को दावा करने पर दी जाती है। जीवन बीमा परिषद से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, जीवन बीमा कंपनियों द्वारा अदा किए जाने वाले मृत्यु के दावे 2016-17 में रु. 19,000 करोड़ से अधिक थे।

भारत का जीवन बीमा क्षेत्र भी न केवल प्रतिफल द्वारा बल्कि अधिक बेहतर सेवा मानकों द्वारा ग्राहकों को अधिक मूल्य प्रदान करने की ओर लगातार काम कर रहे हैं।

ग्राहकों द्वारा मांगे गए निवेश से प्राप्त अनुलाभ	सावधि जमा	गारंटीयुक्त धन वापसी बीमा उत्पाद
प्रारंभिक कर अनुलाभ	नहीं	हाँ
निवेश पर प्रतिफल	गिरावट	नियत और गारंटीयुक्त
कर मुक्त प्रतिफल	नहीं	हाँ
चलनिधि के विकल्प	अधिक, जुर्माने के साथ	कम
जोखिम रक्षा	नहीं	हाँ

नीचे दिए गए चार्ट में निवेश के ऐसे दो विकल्पों का तुलनात्मक मूल्यांकन किया गया है जो ग्राहक के निर्णयों को सामान्य रूप से प्रभावित करते हैं -

वर्तमान परिस्थितियों में निवेश के कुछ अन्य विकल्पों की तुलना में बीमा उत्पाद के प्रतिफल के अधिक आकर्षक होने से, बचत करने वालों को अपनी वित्तीय योजना पर दोबारा विचार करना चाहिए और ऐसे उत्पादों का विकल्प लेना चाहिए जो उनके दीर्घकालीन लक्ष्यों के लिए अधिक आकर्षक गारंटीयुक्त प्रतिफल देते हैं ।

उपभोक्ताओं को ऐसे उत्पाद खरीदने से पहले अपनी आयु, बीमाकर्ताओं द्वारा बताए गए अनुसार संभावित नकदी प्राप्ति के अंतर, समय से पहले पालिसी बंद करने की शर्तें, कराधान के अनुलाभ के लिए बीमा पालिसी के सटीक और गारंटीयुक्त नकदी